

: 0000 00 00000000 00000000 00 0000000 000000 00 00 0000-0000 0000000 0000 00 ,
00 00 00 0 00 0000 00 00000000 0000 0000 : 0000 00 00 0000 00 0000000000 00 00
00 0000000 00000000 0000 0000 00 0000 000000 : 0000 000000 0000 00000 0000000 00
0000000 00 00000000 00 000000 00 0000 000000 00 000000 :

0000 0000000 00000000000

0000 : उपर लोकसेवा आयोग पूरी तरह नंग-धड़ंग हो चुका है, उसकी बेहूदा कार्यशैली और बेइमानियों के नति-नये सबूत किसी बड़ी नुमाइश की तरह जग-जाहरि होते जा रहे हैं। प्रतभागियों के नम्बर देने में घालमेल, सवालों में गड़बड़ियां, प्रभावशाली लोगों के बच्चे चों के टॉप कराने जैसी कई क्रतूते हो रही हैं। खुलेआम केचगि सेंटरों पर सखाये गये सवाल और उनके जवाब हू-ब-हू परीक्षाओं में आने लगे हैं। इतना ही नहीं, आयोग के कसमीक्षा अधिकिरी ऐसी केचगि सेंटर के मालकि-संचालक हैं। लेकिन इसके बावजूद योगी सरकार इस आयोग की नंगई पर दंडति करने के बजाय, आयोग प्रशासन की नंगई के ओढ़-थोप देने की जुगत में हैं।

कल की ही घटना के देख लीजयि। कल इलाहाबाद में क सेंटर पर तब हंगामा हो गया जब पीसी स मेंस परीक्षा में सुबह हदि के पर्चे के बजाय शाम के होने वाला नबिंध क पर्चा बंट गया। जब इस पर हल्ला हुआ तो दोनों पालयिों की परीक्षायें रद्द कर दी गईं। इसी मामले से जुड़ी क नई खबर आ रही है। खबर है की आयोग क कसमीक्षा अधिकिरी इलाहाबाद में क मशहूर केचगि चलाता है। इस केचगि में वशिेश तौर पर नबिंध और हदि की केचगि दी जाती है। ऐसा बताया जा रहा है की कल की रद्द हो चुकी परीक्षा में जो हदि और नबिंध के पर्चे बांटे गये उनमें दयिे गये प्रश्न इस अधिकिरी की केचगि द्वारा दयिे गये सैपेल पेपरस के सवालों से मैच करता है। मलिता-जुलता नहीं, बल्कि पूरा क पूरा प्रश्न मैच करता है।

ये क्या मात्र संयोग हो सकता है की आयोग क ही क अधिकिरी क कनामी केचगि चलाता हो और उस केचगि के नोट्स में दयिे गये प्रश्न परीक्षा में आये प्रश्नों से हूबहू मलि जायें। और अगर ये सब क खेल के तहत हुआ है तो क्यूं नहीं योगी सरकार इस आयोग के भंग कर देती है? आखिर क्या मजबुरी है? पछिले चार महनों से सीबीआई जांच क झुनझुना बजाया जा रहा है पर अब तक इस जांच क कोई नशिर्क्ष नहीं नक्लि सक है। सीबीआई ने क फ्भाइआर भी दर्ज कर रखी है पीसी स 2015 परीक्षा में धांधली के लेकर पर अब तक कोई गरिपत्तारी नहीं की गई है। क्या परीक्षा में चयनति बड़े अधिकिरयिों के बच्चों के बचाने के लयिे ही जांच के प्रभावति कयिा जा रहा है? या फिर जांच में कोई तथ्य नक्लि ही नहीं है और सारे आरोप पर्जी थे? जो भी हो सरकार के अब अपना शरीमुख खोलकर स्थति स्पष्ट करनी चाहयिे।

आयेग के वर्तमान अध्यक्ष अनरिद्ध यादव क छोटे से कम्बे के इंटर कौलेज के प्राचार्य थे और उनके सीधे वहां से उठाकर इतने बड़े ओहदे पर बैठा दयिा गया। अनरिद्ध यादव सपा नेताओं के क्रीबी होने के अलावा पुराने संघी भी बताये जाते हैं। कते हैं की सरकार बदलने पर यादव ने संघ के पुराने संबंध खोज नक्लि और अपनी कुरसी बचा ली। अगर सरकार वाकई ईमानदार है तो इस स्थति के देखते हु। संवधान में दी गई शक्तयिों क प्रयोग करते हु। आयोग के अयोग्य अध्यक्ष अनरिद्ध यादव के राज्यपाल की शक्ति से नलिंबति करा के क नये अध्यक्ष की नयिक्ती करनी चाहयिे जो की कसी विश्वधालय क कुलपति रहा हो या बड़े स्तर क IIT-IIM क प्रोफेसर हो या फिर कोई ईमानदार बड़ा अधिकिरी। जब तक ये आयोग की सत्ता दागी व अयोग्य लोगों के हाथ में रहेगी तब तक से करनामे रोज होते रहेंगे।

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग- जी हां, ये है देश क सबसे बदनाम, बेशरम और घटयिा चयन आयोग। इस आयोग के बारे में जो कहा जाये कम है।

000 00 ! 0000000000 00 0000 00 00 000 0000 0000

Written by मेरी बटिया संवाददाता

Thursday, 21 June 2018 11:31

इतनी बदनामी के बाद भी ये आयोग सुधरने का नाम नहीं ले रहा। अखलिश यादव की सरकार ने इस आयोग में से नक्कमे और दुष्ट लोगों को अध्यक्ष और सदस्य बनाया की उसका परिणाम आज भी परीक्षार्थी भुगत रहे हैं।

0000 000 0000 0000 00 000000 000000 00 000 00 0000000 000000, 00 000000 0000000 00000 00
000000 00000000 :-

[000000 00 0000 00 0000000 00 00000000 00000 0000 00000000000](#)